डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

राष्ट्रीय सहारा

दिनांकः 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्याः 03

भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन थाती : कुलपति

कलाकारों के साथ कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल, साथ में डॉ. सरिता द्विवेदी व अन्य (फोटो : एसएनबी)

अयोध्या (एसएनबी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का शुरू हुई। ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारंभ किया। कुलपति ने बताया कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है, इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते है। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है।

कुलपति प्रो. गोयल ने आशा व्यक्त किया कि कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर कलाकृतियों को उकेर कर यादगार बनाएंगे जो आम जनमानस आकर्षित करेगा। ललित कला के समन्वयक डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडेय, इंजीनियर रवि तिवारी एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्या: 05

भित्ति चित्रकला में दिखा सकते हैं कौशल: कुलपति

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का शुभारम्भ कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने किया। कुलपति ने प्रतिभागी विद्यार्थियों की हौसलाअफजाई के लिए हनुमान जी के चित्र में रंग भरा। अवध विवि आवासी परिसर के ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग की ओर से भित्तिचित्र कार्याशाला शुरू हुई है। शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रो. गोयल ने कहा कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते हैं। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। उन्होंने कहा कि भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है।

कार्यशाला के शुभारंभ पर शिक्षक व विद्यार्थियों संग मौजूद कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल।

कुलपति प्रो. गोयल ने आशा व्यक्त की कि कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर कलाकृतियों को उकेरकर यादगार बनाएंगे और आम जनमानस के लिए आकर्षण का केन्द्र होंगे। इस दौरान समन्वयक डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडेय, इंजीनियर रवि तिवारी व अन्य प्रतिभागी छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्या: 05

अवध विवि की दीवारों पर झलकेगी लोककला

तैयारी

- ऑडिटोरियम की दीवार पर बनेगी सांस्कृतिक कार्यक्रम की चित्रकारी
- अयोध्या, महाराष्ट्र व अन्य प्रांत की लोककलाओं को उकेरा जाएगा

■ राममूर्ति यादव

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की दीवारें भारतीय संस्कृति की सांस्कृतिक लोककलाओं की झंकार को प्रदर्शित करेंगी। अब विवि परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम की दीवार पर हुनरमंद विद्यार्थी अयोध्या, महाराष्ट्र, बिहार व अन्य प्रांत की लोक कलाओं को म्यूरल पेंटिंग के जरिए उकेरेंगे। भारतीय संस्कृति के विभिन्न सांस्कृतिक प्रोग्राम पर आधारित भित्ति चित्रकारी हर शख्स को अपनी ओर आकर्षित करेगी और विलुप्त हो रही भारतीय लोककला जीवंत होगी।

स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम पर उकेरी जाने वाली चित्रकारी का प्रस्तावित मॉडल।

अवध विवि आवासीय परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह के प्रवेश द्वार के दोनों दीवारों पर सांस्कृतिक लोककला से संबंधित भित्ति चित्रकारी के लिए चयनित किया गया है। इसके अलावा डॉ. राममनोहर लोहिया प्रतिमा के पार्श्व एवं परिसर के अन्य दीवारों पर आकर्षक चित्रकारी उकेरी जाएगी। प्रथम चरण में स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम एवं डॉ. लोहिया प्रतिमा के पीछे की दीवार को म्यूरल पेंटिंग के लिए चयनित किया गया है। इन दीवारों पर ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग के लगभग 150 विद्यार्थी अपने हुनर से चित्रकारी के जरिए लोककला को प्रदर्शित करेंगे।

हालांकि म्यूरल पेंटिंग के लिए शिक्षिका सरिता सिंह के सुपरविजन में ललित कला विभाग के हुनर विद्यार्थियों का ही मुख्य किरदार होगा। प्रतिभागी विद्यार्थी अयोध्या की लोककला कोहबर, महाराष्ट्र की वर्ली, फड़, बिहार की मधुबनी व अन्य भारतीय संस्कृति की सांस्कृतिक लोककलाओं की गतिविधियों को चित्रकारी करके प्रदर्शित करेंगे। इसमें मृदंग बजाते, नृत्य करते व अन्य सांस्कृतिक गतिविधियां शामिल होंगी। शिक्षिका सरिता सिंह ने बताया कि पांच-पांच विद्यार्थियों का समूह एक चित्रण पर काम करेगा। दीवार पर चित्रण करके उसमें रंग भरा जाएगा। एक चित्रकारी आठ बाई 10 फुट एरिया में होगी।

अमृत विचार

दिनांकः 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्याः 04

अमृत विचार
www.amritvichar.com

भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन थाती

अयोध्या कार्यालय

▶▶ अवध विश्वविद्यालय में 20 दिवसीय कार्यशाला शुरू

अमृत विचार : भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है। ये सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते है। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। ये बातें डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने बुधवार को कहीं। वह विवि के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला के शुभारम्भ सत्र को संबोधित कर रहीं थीं।

इससे पहले उन्होंने ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग व फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला का हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारम्भ किया। कुलपति ने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर यादगार कलाकृतियों को उकेरेंगे और आम जनमानस आकर्षित करेंगे। ललित कला के समन्वयक डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडे, इंजीनियर रवि तिवारी एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अवध विवि में कार्यशाला के शुरूआत पर हनुमान जी के चित्र में रंग भरती कुलपति प्रो .प्रतिभा गोयल।

अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्या: 04

भित्तिचित्र कार्यशाला के शुभारंभ के मौके पर मौजूद कुलपति व अन्य।-विवि

साकेत में भित्तिचित्र कार्यशाला का शुभारंभ

अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का बुधवार को शुभारंभ हुआ। जिसमें ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग और फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारंभ किया। कुलपति ने बताया कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते हैं। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। इस दौरान ललित कला के समन्वयक डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडेय, इंजीनियर रवि तिवारी एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। (संवाद)

कुटुंब जागरण

दिनांकः 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्याः 04

भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन थातीः कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल

- अवध विवि में 20 दिवसीय भित्तिचित्र की कार्यशाला का शुभारम्भ

कुटुंब जागरण ब्यूरो,

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारम्भ किया। कुलपति ने बताया कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते है। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है। कुलपति प्रो0 गोयल ने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर कलाकृतियों को उकेर कर यादगार बनायेंगे और आम जनमानस आकर्षित करेंगे। ललित कला के समन्वयक डॉ0 सुरेंद्र मिश्र, डॉ0 सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडे, इंजीनियर रवि तिवारी एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्वतंत्र भारत

दिनांकः 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्याः 09

भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन थाती : कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारम्भ किया। कुलपति ने बताया कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते है। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है। कुलपति प्रो0 गोयल ने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर कलाकृतियों को उकेर कर यादगार बनायेंगे और आम जनमानस आकर्षित करेंगे। ललित कला के समन्वयक डॉ0 सुरेंद्र मिश्र, डॉ0 सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडे, इंजीनियर रवि तिवारी एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

स्वतंत्र चेतना

दिनांकः 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्याः 04

भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन थाती: कुलपति

◆अविवि में भित्तिचित्र की कार्यशाला का शुभारम्भ

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारम्भ किया। कुलपति ने बताया कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते है। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है। कुलपति प्रो0 गोयल ने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर कलातियों को उकेर कर याद्गार बनायेंगे और आम जनमानस आकर्षित करेंगे। ललित कला के समन्वयक ड0 सुरेंद्र मिश्र, ड0 सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडे, रवि तिवारी एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

बस्ती की पुकार

दिनांकः 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्याः 04

भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन थातीः- कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल

अवध विवि में 20 दिवसीय भित्तिचित्र की कार्यशाला का शुभारम्भ

बस्ती की पुकार

अयोध्याः— जनपद अयोध्या में स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारम्भ किया। कुलपति ने बताया कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते है। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है। कुलपति प्रो0 गोयल ने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर कलाकृतियों को उकेर कर यादगार बनायेंगे और आम जनमानस आकर्षित करेंगे। ललित कला के समन्वयक डॉ0 सुरेंद्र मिश्र, डॉ0 सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडे, इंजीनियर रवि तिवारी एवं प्रतिभागी छात्र—छात्राएं मौजूद रहे।

नेशनल प्रेस टाइम्स

दिनांकः 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्याः 05

नेशनल प्रेस टाइम्स
राष्ट्रीय संस्करण
गुरुवार 22 अगस्त 2024
उत्तर प्रदेश

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध वि0 वि0 में 20 दिवसीय भित्तिचित्र की कार्यशाला का शुभारम्भ

एनपीटी ब्यूरो

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारम्भ किया। कुलपति ने बताया कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते है। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है। कुलपति प्रो0 गोयल ने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर कलाकृतियों को उकेर कर यादगार बनायेंगे और आम जनमानस आकर्षित करेंगे। ललित कला के समन्वयक डॉ0 सुरेंद्र मिश्र, डॉ0 सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडे, इंजीनियर रवि तिवारी एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अवध गाथा

दिनांकः 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्याः 03

भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन थाती :प्रो .प्रतिभा गोयल

अवध विवि में 20 दिवसीय भित्तिचित्र की कार्यशाला का शुभारम्भ

अवध गाथा संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारम्भ किया। कुलपति ने बताया कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते है। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है। कुलपति प्रो0 गोयल ने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर कलाकृतियों को उकेर कर यादगार बनायेंगे और आम जनमानस आकर्षित करेंगे। ललित कला के समन्वयक डॉ. सुरेंद्र मिश्र, डॉ. सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडे, इंजीनियर रवि तिवारी एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अमर भारती

दिनांकः 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्याः 06

/अमेठी/ह

अवध विवि में 20 दिवसीय भित्तिचित्र की कार्यशाला का हुआ शुभारम्भ

अयोध्या (अमर भारती ब्यूरो)। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारम्भ किया। कुलपति ने बताया कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते है। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है। कुलपति प्रो0 गोयल ने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर कलाकृतियों को उकेर कर यादगार बनायेंगे और आम जनमानस आकर्षित करेंगे। ललित कला के समन्वयक डॉ0 सुरेंद्र मिश्र, डॉ0 सरिता द्विवेदी, सरिता सिंह, रीमा सिंह, विनीता पटेल, शालिनी पांडे, इंजीनियर रवि तिवारी एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

गरीबों का सहारा

दिनांकः 22 अगस्त, 2024 पृष्ठ संख्याः 02

भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन थाती : प्रो. प्रतिभा गोयल

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में 20 दिवसीय भित्तिचित्र कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। ललित कला विभाग, प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग तथा फैशन डिजाइनिंग विभाग के संयुक्त संयोजन में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल ने हनुमान जी के चित्र में रंग भरकर शुभारम्भ किया। कुलपति ने बताया कि भित्ति चित्रकला सबसे पुरानी चित्रकला है। इसमें रचनाधर्मिता के लिए काफी अवसर होते है। इससे छात्रों में चित्रकला को निखारने का पर्याप्त अवसर होता है। भित्ति चित्रकला भारत की प्राचीन चित्रकारी की थाती है। कुलपति प्रो० गोयल ने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला में सहभागी विद्यार्थियों द्वारा दीवारों पर कलाकृतियों को उकेर कर यादगार बनायेंगे और आम जनमानस आकर्षित करेंगे।